

अतप वि. (तत्.) तपरहित, तापरहित, जो तप्त न हो, ठंडा, शांत, दिखावा न करने वाला, आडंबररहित, बेकार, निठल्ला।

अतप्त वि. (तत्.) 1. जो तप्त अर्थात् गरम न हो, ठंडा 2. जो पका न हो।

अतप्ततनु वि. (तत्.) 1. घोर तपस्या न करने वाला 2. जिसके शरीर पर तप्त मुद्रा के चिह्न न बने हो 3. जिसने शंख, चक्र, गदा और पद्म आदि के चिह्न अपने शरीर पर न धारण किए हों 4. बिना छाप का।

अतमहन वि. (तद्.) आत्मघाती, अपने शरीर के मूल्य पर भी अन्य को हताहत न करने वाला।

अतर पुं. (अर.) इत्र, वह सुगंधित तरल पदार्थ जो पुष्पों से आसवन की विधि से तैयार होता है, भभके द्वारा खींचा गया फूलों का निष्कर्ष या सार, पुष्पसार।

अतरदान पुं. (अर.+तद्.) धातु (या शीशे) का वह पात्र जिसमें इत्र रखा जाता है, इत्रदान।

अतर्क वि. (तत्.) तर्करहित, तर्कहीन, असंगत पु. तर्क का अभाव।

अतर्कित वि. (तत्.) 1. बिना तर्क-वितर्क किए, जिस पर पहले से विचार न किया गया हो 2. आकस्मिक, जिसका पूर्वानुमान न हो।

अतर्क्य वि. (तत्.) जिस पर तर्क-वितर्क न किया जा सके, जिसके विषय में किसी प्रकार की विवेचना संभव न हो।

अतल वि. (तत्.) 1. तलविहीन 2. अथाह पुं. सात पाताल लोकों में से पहला।

अतलता स्त्री. (तत्.) तलहीनता, असीम गहराई।

अतलस्पर्शी वि. (तत्.) अतल को छूनेवाला, अत्यंत गहरा, अथाह दे. अतल।

अता स्त्री. (अर.) 1. कृपा, अनुग्रह 2. दान, बख्शीश, अता करना, देना, प्रदान करना, बख्शना।

अताई वि. (अर.) जिसने कोई कला या गुण नियमपूर्वक गुरु से न सीखा हो, अपितु यों ही

सुन-सुनकर या देखभाल कर सीख लिया हो, शौकिया, अव्यावसायिक।

अतानामा पुं. (अर.) दानपत्र, बख्शीशनामा।

अतापी वि. (तत्.) 1. ताप-रहित 2. दुःखरहित 3. शांत।

अताशे पु. (अं.) दूतावास में कोई विशेषज्ञता प्राप्त उत्तरदायित्व निभाने वाला अधिकारी, सहचारी।

अतिंद्रिय-श्रवण वि. (तत्.) कानों के द्वारा न होकर या उनके बिना या ध्यान या मनन के द्वारा दूर तक सुन लेने की शक्ति।

अति वि./अव्य (तत्.) बहुत, अधिक, ज्यादा उदा. अति-परिश्रम स्त्री. (तत्.) 1. अधिकता, ज्यादाती, सीमा का उल्लंघन, अतिक्रमण प्रयो. उसने आज अपने दुर्व्यवहार की अति कर दी।

अतिअग्रता माँग स्त्री. (तत्.) ऐसी माँग जिसकी पूर्ति सबसे पहले करना अपेक्षित हो।

अतिकथा स्त्री. (तत्.) अतिरंजित कहानी।

अतिकर्षण पुं. (तत्.) अत्यधिक श्रम।

अतिकाय वि. (तत्.) स्थूलकाय, मोटा, दीर्घकाय, बहुत लंबा-चौड़ा, बहुत हष्ट-पुष्ट।

अतिकाल पुं. (तत्.) 1. विलंब, देर 2. कुसमय 3. महाकाल, काल का भी काल 4. शिव 5. काल का अतिक्रमण करने वाला।

अतिकाल मजदूरी स्त्री. (तत्.) दे. उपरिसमय मजदूरी। overtime work

अतिकालदेय वि. (तत्.) जिसकी अदायगी काफी समय पहले हो जानी चाहिए थी।

अतिकृत वि. (तत्.) जिसे करने में अति या मर्यादा का अतिक्रमण हुआ हो।

अतिकृति स्त्री. (तत्.) 1. मर्यादा का अतिक्रम(ण) 2. 25 वर्णों वाला एक वर्णवृत्त।

अतिकोप वि. (तत्.) बहुत अधिक क्रोध।

अतिक्रम पुं. (तत्.) 1. नियम या मर्यादा का उल्लंघन 2. विपरीत व्यवहार।